दुर्घटनाएं

निवास में दर्दनाक सड़क हादसा, विधायक चैन सिंह के भतीजे अतुल की मौत, दो अन्य भी हुए घायल

बोलेरो डिवाइडर से टकराई, एक की मौत, दो गंभीर

निवास, नवभारत। निवास नगर के साहू मोहल्ले में रविवार देर शाम हुए एक भीषण सड़क हादसे में निवास विधानसभा के विधायक चैन सिंह वरकड़े के भतीजे अतुल वरकड़े 24 वर्ष की जबलपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस दुर्घटना में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज अभी भी जबलपुर मेडिकल कॉलेज में जारी है।

जानकारी अनुसार रविवार देर शाम जबलपुर मार्ग की ओर से आ रही एक बोलेरो वाहन निवास थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर दो साहू मोहल्ले में सड़क के मुख्य मार्ग पर बने डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन में सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल होकर गाड़ी में ही फंस गए। स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया। दुर्घटना में घायल होने वालों में निवास विधायक चैन सिंह वरकड़े के भतीजे अतुल वरकड़े पुत्र चरण सिंह (24 वर्ष), सोहन पुत्र रूप सिंह (30 वर्ष, निवासी बम्हनी) और नरेंद्र धुर्वे पुत्र नारायण सिंह (27 वर्ष, निवासी भटगांव) शामिल थे।

बताया गया कि 108 एम्बुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को तत्काल निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। दु:खद रूप से, जबलपुर मेडिकल में देर रात उपचार के दौरान अतुल वरकड़े ने दम तोड़ दिया। सोहन सिंह और नरेंद्र धुर्वे का इलाज अभी भी जबलपुर मेडिकल में जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

निवास पुलिस ने घटना का संज्ञान ले लिया है और मामले की जांच कर रही है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। बताया गया कि अतुल वरकड़े का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव झिंझरा में रीति-रिवाजों के अनुसार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिवारजन शामिल हुए। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

मालवाहक से टकराई बाइक, 1 मृत, 2 घायल

मनेरी ताकबेली तिराहे पर भीषण भिड़ंत

निवास। मंडला जिले के औद्योगिक क्षेत्र मनेरी के अंतर्गत आने वाले ताकबेली तिराहे पर रविवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक तेज रफ्तार मालवाहक और बाइक की सीधी भिड़ंत में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी अनुसार ग्राम गढ़ बिसौरा खम्हारिया, थाना निवास निवासी तीन युवक शैलेंद्र वरकड़े 20 वर्ष, मुकेश वरकड़े 19 वर्ष और राहुल परस्ते 21 वर्ष अपनी बाइक से जबलपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे मनेरी पुलिस चौकी के अंतर्गत ताकबेली तिराहे पर पहुंचे, सामने से आ रहे एक मालवाहक वाहन से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। बताया गया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शैलेंद्र वरकड़े पिता महेंद्र सिंह वरकड़े की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार मुकेश और राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

समाजसेवियों ने पहुँचाया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही समाजसेवी राजुल चौहान, सरपंच नारायण धूमकेतू और सानू तिवारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए घायलों को अपने निजी वाहन से तत्काल जबलपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहाँ दोनों का उपचार जारी है। मनेरी पुलिस चौकी द्वारा घटना की जांच शुरू कर दी गई है। टक्कर मारने वाले वाहन और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। इस हादसे के बाद मृतक के गांव गढ़ बिसौरा में मातम छाया हुआ है।

बाघ की खाल तस्करों को पकड़ने वाली टीम का हुआ सम्मान

वन्यजीव अपराध नियंत्रण में पुलिस की सराहना

दिल्ली ब्यूरो ने नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से नवाजा

भुआ बिछिया। मंडला पुलिस द्वारा वन्यजीव संरक्षण और अपराध नियंत्रण की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के कुशल निर्देशन में थाना बिछिया पुलिस की उस टीम को सम्मानित किया गया है, जिसने बाघ की खाल के साथ तस्करों को पकड़ने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की थी।

बाघ की खाल के साथ पकड़े गए थे 5 आरोपी-बताया गया कि 28 जनवरी 2024 को बिछिया पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया था। इस दौरान पुलिस ने बाघ की खाल के साथ पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई थी। पुलिस की इस मुस्तैदी ने वन्यजीव तस्करों के एक बड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया था।

नई दिल्ली ब्यूरो ने किया सम्मानित-पुलिस टीम की इसी कार्यक्षमता और व्यावसायिक दक्षता को देखते हुए वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा तत्कालीन पुलिस टीम के लिए नकद पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी किए गए। यह सम्मान जिले की पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

सम्मान समारोह का आयोजन-थाना बिछिया में आयोजित एक विशेष समारोह में एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी ने संबंधित पुलिस स्टाफ को प्रशंसा प्रमाण पत्र और नकद राशि भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने पूरी टीम के मनोबल को बढ़ाते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस उपलब्धि पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने पूरी टीम को बधाई दी है।

सड़क हादसे में घायल युवक ने भी तोड़ा दम

निवास। निवास थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम केरीवाह मार्ग पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। मृतक अपने साथी के साथ डिंडोरी जिले से निवास क्षेत्र के पिपरिया में आयोजित मड़ई देखने आ रहा था।

जानकारी अनुसार अमित यादव पिता शंकर यादव, निवासी ग्राम सूरजपुरा, जिला डिंडोरी, अपने मित्र चमन पिता प्रताप सिंह, उम्र 21 वर्ष के साथ बाइक पर सवार होकर रविवार को पिपरिया मड़ई आ रहे थे। केरीवाह मार्ग पर उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में अमित को गंभीर चोटें आईं, जबकि चमन को मामूली चोटें आई हैं।

इलाज के दौरान मौत

दुर्घटना के तुरंत बाद दोनों को निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। अमित की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अत्यंत दुखद है कि जबलपुर ले जाते समय रास्ते में ही अमित ने दम तोड़ दिया। सोमवार को मृतक अमित यादव का पोस्टमार्टम कराया गया। घायल चमन का उपचार जारी है और उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। निवास पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की बारीकी से जांच कर रही है।

श्री सिद्धेश्वर धाम सुरंगदेवरी में कन्या भोज, भंडारे के साथ पुराण का समापन

सुरंगदेवरी. श्री सिद्धेश्वर धाम सुरंगदेवरी में श्री गणेश पुराण का संगीतमय कथा का आयोजन सांई भक्त पंडित ललित नारायण मिश्रा द्वारा किया गया। संगीतमय श्री गणेश पुराण कथा का श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। समापन अवसर पर इन्होंने नौ दिवसीय श्री गणेश पुराण के महत्व पर प्रकाश डाला।

समापन अवसर पर श्री सिद्धेश्वर धाम सुरंगदेवरी में महा दरबार का आयोजन भी किया गया। इस दरबार में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। आसपास के ग्राम समेत जिला मुख्यालय से हजारों लोग सांई दरबार में पहुंचे। श्री गणेश पुराण के समापन पर मंत्र उच्चारण और विधि विधान से श्रद्धालुओं ने आहुतियां दी। हवन के बाद भव्य आरती की गई। इस दौरान अनेक भक्त भावविभोर हो गए। आरती के दौरान पुष्प वर्षा की गई। इसके बाद सांई जन्मोत्सव कार्यक्रम शुरू किया गया। जहां भगवान श्री गणेश, माँ नर्मदा, श्री हरि, श्री राम, माँ दुर्गा और सांई की स्तुति की गई। श्री गणेश पुराण के समापन पर चल रही स्तुति के दौरान उपस्थित हजारों भक्तों के बीच कुछ भक्त भाव विभोर हो उठे, आरती की धुन से उपस्थित श्रद्धालु भाव मुद्रा में आ गए। काफी देर तक भक्त भाव खेलते रहे। भगवान की भक्ति में लीन भक्त श्री राम जय राम जय जय राम जपते रहे।

कन्या भोज के साथ हुआ भव्य भंडारा-नौ दिवसीय श्री गणेश पुराण के समापन पर हजारों भक्त दरबार में पहुंचे। यहां हवन पूजन के बाद कन्या पूजन और कन्या भोज कराया गया। इसके बाद समापन पर पहुंचे भक्तों ने विशाल भंडारे का प्रसादी ग्रहण किया। भंडारा देर शाम तक चलता रहा। जो भी भक्त दरबार में पहुंचा, प्रसादी पाकर ही यहां से लौटा।

नारायणगंज मैली के किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट

पीडब्ल्यूडी की लापरवाही, गलत सीमांकन से किसानों का कृषि मार्ग बंद

नारायणगंज, नवभारत। तहसील नारायणगंज के ग्राम मैली में किसानों के लिए अपने ही खेतों तक पहुँचना अब एक बड़ी चुनौती बन गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य में गलत सीमांकन के चलते किसानों का पारंपरिक कृषि मार्ग बंद कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र के दर्जनों परिवारों के सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है।

बताया गया कि इस मामले की जड़ें वर्ष 1980-82 के बीच हुए सड़क निर्माण से जुड़ी हैं। उस समय पीडब्ल्यूडी ने सड़क और पुलिया बनाने के लिए किसानों की भूमि अधिग्रहित की थी, लेकिन बजट की कमी के कारण काम बीच में ही रुक गया। पिछले 40-45 वर्षों से किसान इसी अधिग्रहित भूमि के हिस्से को कृषि यंत्रों के आवागमन के लिए उपयोग कर रहे थे। वर्तमान में आईटीआई रोड के पास चल रहे निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार ने पुरानी पुलिया को नजरअंदाज कर गलत नाप-जोख की और किसानों का इकलौता रास्ता बंद कर दिया।

शिकायतों पर भी नहीं जागी सरकार

प्रभावित किसानों का कहना है कि उनकी पूरी आजीविका खेती पर निर्भर है। रास्ता बंद होने से ट्रैक्टर और अन्य कृषि यंत्र खेतों तक नहीं जा पा रहे हैं। इस संबंध में किसानों ने 17 दिसंबर 2024 को कलेक्टर और पीडब्ल्यूडी विभाग को लिखित शिकायत दी थी। समाधान न होने पर 11 नवंबर 2025 को पुन: जनसुनवाई में गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुरजोर माँग की है कि अधिग्रहित भूमि का पुन: सही तरीके से सीमांकन किया जाए और पुरानी पुलिया के पास से कृषि यंत्रों के निकलने हेतु तत्काल रास्ता बहाल किया जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

देवरी में कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत महापुराण का शुभारंभ

नारायणगंज। नारायणगंज के ग्राम देवरी में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का मंगल कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। महिला मंडल एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित इस नौ दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव के पहले दिन पूरा गांव भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। सिर पर मंगल कलश धारण कर निकलीं महिलाओं और श्रद्धालुओं के जयकारों से क्षेत्र का वातावरण धर्ममय हो गया। इस दिव्य ज्ञान यज्ञ के कथा व्यास पंडित

कृष्णगोपाल पाण्डेय बाबा देवरी हैं। उन्होंने पहले दिन कलश यात्रा के महत्व और श्रीमद् भागवत की महिमा पर प्रकाश डाला। उनके ओजस्वी मुखारविंद से कथा का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा स्थल पर एकत्रित हो रहे हैं। आयोजन समिति ने बताया कि 7 जनवरी को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 10 को कृष्ण-रुक्मणी विवाह, 11 को सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष, 12 को हवन, कन्या पूजन एवं विशाल भंडारा के साथ समापन किया जाएगा। महिला मंडल एवं समिति के सदस्यों से इस ज्ञान यज्ञ में उपस्थिति की अपील समस्त ग्रामवासियों से की है।

कड़ाके की ठंड पर भारी पड़ा मनोरंजन का उत्साह

तीसरे दिन भी गुलजार रही पिपरिया मड़ई

झूलों और चौपाटी का लोगों ने जमकर उठाया लुत्फ

निवास। निवास नगर के समीपस्थ ग्राम पिपरिया में आयोजित पारंपरिक मड़ई मेले का तीसरा दिन सोमवार को पूरे उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कड़ाके की ठंड और शीतल लहर के बावजूद श्रद्धालुओं और सैलानियों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। सुबह से ही मेला स्थल पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जो देर रात तक बनी रही।

मेले में लगे बड़े झूलों, ड्रैगन और नाव का बच्चों सहित युवाओं ने जमकर आनंद लिया। सर्द मौसम के बीच मनोरंजन के साधनों पर लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। वहीं, महिलाओं और युवक-युवतियों ने श्रृंगार सामग्री, कपड़े, खिलौने और घरेलू साजो-सामान की दुकानों पर जमकर खरीदारी की।

चौपाटी पर रही रौनक

मेले का मुख्य आकर्षण यहाँ की चौपाटी रही। चाट-फुल्की, गोलगप्पे, चाउमीन और गरमा-गरम जलेबियों की खुशबू ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। खान-पान की दुकानों पर दिनभर भीड़ जुटी रही, जहाँ लोगों ने व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

सामाजिक समरसता और सुरक्षा व्यवस्था

ग्रामीण अंचल की यह मड़ई न केवल मनोरंजन बल्कि आपसी मेल-मिलाप और सामाजिक समरसता का केंद्र बनी रही। दूर-दराज के गांवों से आए लोगों ने अपनी परंपराओं का निर्वहन किया। सुरक्षा की दृष्टि से निवास पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस की निरंतर गश्त के कारण मेला परिसर में शांति बनी रही और लोगों ने सुरक्षित माहौल में मेले का आनंद लिया। कुल मिलाकर पिपरिया मड़ई के तीसरे दिन ने क्षेत्रवासियों को रोजमर्रा की भागदौड़ से दूर सुकून और खुशी के अनमोल पल प्रदान किए।

सरपंच के निधन पर विधायक सहित सैकड़ों लोगों ने दी अंतिम विदाई

बबलिया। निवास विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरी कला बबलिया के वर्तमान सरपंच साहमेन सिंह मरावी का लंबी बीमारी के बाद सोमवार की सुबह 7 बजे निधन हो गया। लगभग 70 वर्ष की आयु में उनके निधन की खबर सुनते ही पूरे क्षेत्र और ग्राम में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि सरपंच साहमेन सिंह मरावी क्षेत्र के एक बेहद लोकप्रिय और अनुभवी नेता थे। वह तीसरी बार ग्राम पंचायत देवरी कला बबलिया के सरपंच पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पिछले कुछ समय से वे अस्वस्थ चल रहे थे, जिसके चलते सोमवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही उनके निवास पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग गया।

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब-उनकी अंतिम यात्रा में राजनीति, समाजसेवा और स्थानीय प्रशासन से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए। क्षेत्र के विधायक, पूर्व मंत्री रामप्यारे कुलस्ते, डॉ. विजय सरवटे, आसाराम भारतीय, मंडल अध्यक्ष संदेश जायसवाल, सरपंच संजय सोनी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने उनकी अंतिम यात्रा में हिस्सा लिया।

दिवंगत सरपंच का अंतिम संस्कार उनके पैतृक ग्राम के परंपरागत शांति धाम में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने नम आंखों से मृतात्मा को शांति सुमन अर्पित किए और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। लोगों ने उन्हें एक ऐसे जनसेवक के रूप में याद किया जो सदैव गांव के विकास के लिए समर्पित रहे।

तीन परिवार के 15 लोगों ने की सनातन धर्म में वापसी

श्री सिद्धेश्वर धाम से मिली आश, अब पहचानी सनातन की शक्ति

सुरंगदेवरी। जिले के सुरंगदेवरी क्षेत्र स्थित श्री सिद्धेश्वर धाम में जीव कल्याण सेवा संस्थान साईं दरबार के तत्वावधान में आयोजित श्री गणेश पुराण कथा के समापन पर ईसाई धर्म अपना चुके 3 परिवारों के 15 सदस्यों ने पुन: सनातन धर्म में वापसी की है। बताया गया कि जीव कल्याण सेवा संस्थान द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में अपने 10 वें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में श्री गणेश पुराण का संगीतमय आयोजन किया गया। साईं भक्त पंडित ललित नारायण मिश्रा के सानिध्य में आयोजित इस कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य आध्यात्मिक चेतना जागृत करना और सामाजिक एकता को बल देना था।

पंडित ललित नारायण मिश्रा ने बताया कि ग्राम सुरंगदेवरी क्षेत्र के तीन हिन्दु परिवार के 15 लोगों ने विगत वर्ष ईसाई धर्म अपना लिया था। जिसके बाद सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन बाद में उन परिवार के लोगों में फिर परेशानी आना शुरू हो गई। परिवार के सदस्य बीमार दुखी होने लगे। किसी परिवार के बड़े, बुजूर्ग की मौत हो गई, बीमारी का इलाज कराने के बाद भी इन्हें कहीं आराम नहीं मिल रहा था। ऐसे में इन्होंने श्री सिद्धेश्वर धाम सुरंगदेवरी के सांई भक्त पंडित ललित मिश्रा से मिले। जहां उन्होने उनकी परेशानी को समझा और उन्हें उनकी परेशानी से निजात दिलाने के लिए उपाए बताए। सांई भक्त श्री मिश्रा जी के बताए उपाए के बाद ईसाई धर्म अपना चुके ये 15 लोग अपने सनातन धर्म की शक्ति को पहचाने और उन्हें मानना पड़ा कि सनातन धर्म अपने आप में सभी धर्मों से श्रेष्ठ है। संस्थान के प्रयासों से हुई इस घर वापसी की चर्चा पूरे जिले में हो रही है। साईं दरबार के सदस्यों का कहना है कि उनका उद्देश्य समाज को संगठित करना और लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक करना है। समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।